

प्रेषक,

लक्ष्मण सिंह,
संयुक्त सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

कुलसचिव,
कुमार्क विश्वविद्यालय,
नैनीताल।

शिक्षा अनुभाग-6 (उच्च शिक्षा)

देहरादून: दिनांक 29 मार्च, 2017

विषय:—वर्तमान वित्तीय वर्ष 2016-17 के आयोजनेत्तर पक्ष (Non-Plan) के मानक मद संख्या-20 सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता में प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष धनराशि अवमुक्त किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-केयू/लेखा/बजट (Non-Plan)/268 दिनांक 01.02.2017 एवं पत्र संख्या-केयू/लेखा/2017 दिनांक 01.03.2017 का कृपया सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें।

2— इस संबंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2016-17 के वित्तीय स्वीकृति हेतु आयोजनेत्तर पक्ष (Non-Plan) की मानक मद संख्या-20 सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता मद में प्राविधानित धनराशि ₹0 700.00 लाख के सापेक्ष प्रथम किश्त के रूप में ₹0 77.77 लाख एवं द्वितीय किश्त के रूप में ₹0 311.115 लाख इस प्रकार कुल धनराशि ₹0 388.885 लाख की धनराशि को घटाते हुये, तृतीय किश्त के रूप में ₹0 279.00 लाख (₹0 दो करोड़ उन्नासी लाख मात्र) की धनराशि (कार्यालय व्यय/दूरभाष/यात्रा भत्ता/वाहनों पर व्यय में ₹0 234.00 लाख तथा सुरक्षा व्यवस्था ₹0 45.00 लाख) अवमुक्त किये जाने हेतु वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-847/XXVII(1)/2016 दिनांक 26 जुलाई, 2016 एवं शासनादेश संख्या-1097/XXVII(1)/2016 दिनांक 20 सितम्बर, 2016 में दिए गए दिशा-निर्देशों एवं निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन स्वीकृत करते हुए आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:—

- (1) उक्त स्वीकृत धनराशि का बिल मुख्य शिक्षा अधिकारी, नैनीताल द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित किया जायेगा।
- (2) स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय वास्तविक व्यय आवश्यकता के आधार ही किया जाएगा, तथा अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में अधिकृत धनराशि से अधिक धनराशि कदापि व्यय नहीं की जायेगी।
- (3) विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी द्वारा उपरोक्त स्वीकृत धनराशि का आहरण तभी किया जायेगा, जबकि गत वित्तीय वर्ष/वर्तमान वित्तीय वर्ष में स्वीकृत धनराशि का नियमानुसार उपभोग कर लिया गया हो।



- (4) व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य निर्देशों/ आदेशों के अन्तर्गत शासन अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो उनमें आहरण/व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
- (5) विभिन्न मदों में व्ययभार/देयता सृजित होने पर यथाशीघ्र धनराशि आहरित कर भुगतान की जाएगी एवं कोई भुगतान अनावश्यक लम्बित नहीं रखा जाएगा।
- (6) यह सुनिश्चित किया जाएगा कि (वित्तीय हस्तपुस्तिका खण्ड+5 भाग-1 के पैरा-162) समस्त आहरित अग्रिमों का समायोजन आहरण-वितरण अधिकारियों द्वारा 30 दिनों के अन्दर कर दिया जाय तथा डीटेल्ड कन्टीजेन्ट (डी0सी0) बिल महालेखाकार को भेज दिये जाय।

3- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-141(NP)XXVII(3)16-17 दिनांक 22 मार्च, 2017 में प्राप्त उनकी सहमति से एवं साफ्टवेयर के माध्यम से निर्गत विशिष्ट एलॉटमेंट आई0डी0 संख्या- (प्रति संलग्न) द्वारा निर्गत किए जा रहे हैं।

4- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 की अनुदान संख्या-11 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2202-सामान्य शिक्षा, 03-विश्वविद्यालय तथा उच्चतर शिक्षा, 102-विश्वविद्यालयों को सहायता, 00-आयोजनेत्तर पक्ष, 03-कुमाऊं विश्वविद्यालय के मानक मद-20 सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता मद की सुसंगत इकाई के नामे डाला जायेगा।

संलग्नक: यथोपरि।

भवदीय,

(लक्ष्मण सिंह)
संयुक्त सचिव।

संख्या:- 108 (1)/XXIV(6)/2017-12(4)/12, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग देहरादून।
2. जिलाधिकारी, नैनीताल।
3. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, लक्ष्मी रोड, देहरादून।
4. कोषाधिकारी, नैनीताल।
5. मुख्य शिक्षा अधिकारी, नैनीताल।
6. निदेशक, उच्च शिक्षा हल्द्वानी।
7. निदेशक, एन0आई0सी0 सचिवालय उत्तराखण्ड।
8. वित्त अनुभाग-3 उत्तराखण्ड शासन।
9. वित्त नियंत्रक, कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल।
10. बजट राजकोषीय, नियोजन एवं संसाधन सचिवालय, देहरादून।
11. गार्ड फाइल।

(लक्ष्मण सिंह)
संयुक्त सचिव।